कारण राज्य में वितरण प्रणाली की विफलता के सम्बन्ध में कोई शिकायतें मिली हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और किन-किन एजन्सियों को खाद्यान्न की ढुलाई का कार्य सौंपा गया था; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या-क्या कदम उठाये हैं ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय): (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठते ।

भारतीय खाद्य निगम द्वारा अच्छे किस्म का चावल जारी किया जाना

2779. **श्री अजीत जोगी :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारतीय खाद्य निगम को जनवरी, 1994 से सितम्बर, 1994 तक की अवधि के दौरान खुले बाजार में बेचने के लिए अच्छे किस्म का चावल जारी करने का निर्देश दिया है ;

(ख) यदि हां, तो अब तक कितना चावल जारी किया गया है ;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय खाद्य निगम द्वारा खुले बाजार में इस प्रकार के चावल की बिक्री के लिए कोई आरक्षित मूल्य निर्धारित किया है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय): (क) जी, हां ।

(ख) जनवरी, 1994 से नवम्बर, 1994 तक की अवधि के दौरान भारतीय खाद्य निगम द्वारा 2.06 लाख मीटरी टन चावल बेचा जा चुका है ।

(ग) और (घ) जी, नहीं । भारतीय खाद्य निगम में एक उच्च स्तरीय समिति माह-दर-माह आधार पर विभिन्न राज्यों के लिए खुली बिक्री की योजना के अधीन चावल के मूल्य निर्धारित कर रही है । फरवरी, 1994 से दिसम्बर, 1994 माह के लिए खुली बिक्री के अधीन चावल के लिए निर्धारित किए गए मूल्यों को बताने वाला विवरण संलग्न है ।

विवरण

उत्तम किस्म के चावलों की खुली बिक्री के लिए फरवरी, 1994 से दिसम्बर 1994 के महीनों के लिए निर्धारित किए गए मूल्य

(दर रुपये प्रति क्विंटल)

क्रम संख्या	क्षेत्र का नाम	जनवरी, 1994	1994 फरवरी से अप्रैल, 1994 तक	मई, 1994	जून और जुलाई, 1994	अगस्त और सितम्बर, 1994	1/10 से 16-10 94 तक	17/10 से दिसम्बर, 1994 तक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	पंजाब	बिक्री,	660	660	655	655	715	705
2.	हरियाणा	निविदा	660	660	655	655	715	705
3.	उत्तर प्रदेश	पूछताछ	660	660	655	655	715	680
4.	दिल्ली	के	670	670	660	660	720	690
5.	राजस्थान	आधार	660	660	655	655	715	690
6.	जम्मू और कश्मीर	पर की	660	660	655	655	715	690
7.	पश्चिम बंगाल	गई थी	660	660	655	655	715	680
8.	बिहार		660	660	655	655	715	680
9.	उड़ीसा		660	660	655	655	715	675
10.	महाराष्ट्र		680	680	670	665	725	680
11.	गुजरात		680	680	670	665	725	680
12.	मध्य प्रदेश		660	660	655	655	715	670
13.	तमिलनाडु		700	690	670	665	725	660

क्रम संख्या	क्षेत्र का नाम	जनवरी, 1994	1994 फरवरी से अप्रिल 1994 तक	मई, 1994	जून और जुलाई 1994	अगस्त और सितम्बर, 1994	1-10 से 16-10 तक	17-10 से दिसम्बर, 1994 तक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
14.	आन्ध्र प्रदेश		660	660	655	655	715	670
15.	कर्नाटक		700	690	670	665	725	680
16.	केरल		710	700	670	665	725	680

टिप्पणी—(1) फरवरी, 1994 से मई, 1994 की अवधि के लिए आन्ध्र प्रदेश के अतिरिक्त जहां बढ़िया किस्म के चावल का मूल्य उत्तम किस्म के चावल से 100 रुपये प्रति मीटरी टन कम है, अन्य सभी राज्यों में बढ़िया किस्म के चावल का मूल्य उत्तम किस्म के चावल से 200 रुपये प्रति मीटरी टन कम है।

(2) जून, 1994 से बढ़िया किस्म के चावल का मूल्य उत्तम किस्म के चावल से 300 रुपये प्रति मीटरी टन कम है।

Setting up New Sugar Mills in Co-operative Sector in Gujarat

2780. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of FOOD be pleased to stae:

(a) the total number of sugar mills in co-operative sector which are functioning at present in the State of Gujarat;

(b) the details of setting up of new sugar mills alongwith the number of companies mills which have applied for industrial licences during the last three years;

(c) the steps being taken to dispose of the applications of those mills to whom State Government have already granted approval;

(d) whther it is a fact that Government are not issuing industrial licences for setting up of new sugar mills in the co-operative sector; and

(e) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) As per available information, 11 Sugar Mills in Co-operative Sector in the State of Gujarat, have so far gone into production during the current 1994-95 sugar seasons (October—September).

(b) Only one application has been received from M/s Shree Rudreshwar Khand Udyog Mandli Ltd., through the Ministry of Industry, Department of Industrial Development for setting up of a new sugar factory at Ghatwad, teh. Kodinar, District Amreli in the State of Gujarat during the last three sugar years i.e. 1991-92, 1992-93, 1993-94 (October—September).

(c) to (e) All the applications received through the Ministry of Industry, Department of Industrial Development have been scrutinised by the Departmental Screening Committee. After examination, recommendations of the Ministry of Food were sent to the Ministry of Industry for consideration by the Licensing Committee. Two letters of intent have been issued by the Ministry of Industry for setting up of new sugar factories in Co-operative Sector in the State of Gujarat.

Foodgrains Damaged in Gujarat

2781. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) the extent of damage caused to foodgrains in the country particularly in Gujarat State due to rains and moisture in the absence of scientific storage facility in each year during the last three years, year-wise; and

(b) the remedial steps taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) There are no specific cases of damage caused to foodgrain stocks due to rains and moisture in the absence of scientific storage facility. However, due to natural causes like floods, cyclones, multiple-handlings, transportation by rail/road etc. some damage to foodgrain stocks takes place. The following is the extent of damage caused to foodgrain stocks